प्रिंट समृद्ध आँगनवाड़ी

उद्देश्य:

- प्रिन्ट के साथ संबंध जोड़ना।
- भाषा साक्षरता को बढ़ावा देना।
- परिचित शब्दों को पढ़ पाना।
- स्वतंत्र रूप से पढ़ने और लिखने के अवसर देना।

सूक्ष्म-परिवर्तन के चरण

1. केंद्र को प्रिन्ट समृद्ध बनाने का उद्देश्य समझना।
2. प्रिन्ट चिपकाने के स्थान का चुनाव करना - सभी चीजों के नाम लिखना, थीम शब्द लिखना, बच्चों के नाम और उनके काम का प्रदर्शन करना।
3. केंद्र को प्रिन्ट समृद्ध बनाना।
   - केंद्र की हर चीज़ पर साफ लेखन में नाम लिखना। जैसे **उदाहरण** में दिया गया है।
   - सभी बच्चों का नाम केंद्र में साफ लेखन में लगाना।
   - केंद्र में थीम शब्दों को लिखना। थीम बदलने के साथ थीम शब्द बदलना।
   - स्वागत चार्ट बनाना।
   - बच्चों का काम केंद्र में लगाना। काम पर उनका नाम लिखना और क्या बनाया वह भी लिखना।
4. हर दिन कम से कम 10 मिनट बच्चों के साथ केंद्र में लिखे शब्दों की पहचान पर बिताना।
5. बच्चों में आए परिवर्तन को रिकार्ड करना।

उदाहरण:

दरवाज़ा	शीशा	कुर्सी	अलमारी
door	mirror	chair	almirah
पेटी	**मेज़**	**खिड़की**	**रसोई**
box	table	window	kitchen

दिशा निर्देश

लेबलिंग

1. सभी वस्तुओं की लबेलिंग हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों भाषाओं में करें।

door दरवाज़ा

2. बच्चों के नाम अंग्रेजी में बड़े अक्षर (capital letter) में लिखा जाएगा।

✓ Amit अमित ✗ amit

3. केंद्र की वस्तुओं और थीम शब्दों का अंग्रेजी में नाम छोटे अक्षर (small letter) से शुरू होगा। कर्सिव लेखन का प्रयोग ना करें।

✓ door दरवाज़ा ✗ Door ✗ *door*

4. A4 साइज़ के पेज (प्रत्येक को दो भागों में विभाजित करें)

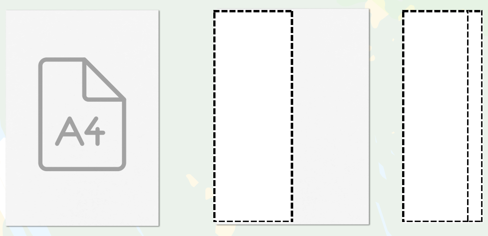

- अक्षरों का साइज़ 3-3.5 इंच तक रखें।
- लिखने के लिए बोल्ड मार्कर्स (लाल, गहरा नीला, काला, हरा, आदि) का प्रयोग करें।
- आंग्रेज़ी के अक्षर प्रिन्ट की तरह लिखें जैसे उदाहरण में दिए हैं, कर्सिव नहीं।
- सभी लेबल को लैमिनेट या प्लास्टिक शीट में कोट करें ताकि वे अधिक समय तक टिकें।
- हर लेबल को बच्चों की आंखों के स्तर पर चिपकाएं ताकि वे आसानी से पढ़ सकें।
- **जानने योग्य बातें :** सामग्री की लेबलिंग के लिए अंग्रेजी के शब्द छोटे अक्षरों में इसलिए लिखे जाते हैं क्योंकि वे सामान्य संज्ञाएं हैं। सामान्य संज्ञाएं किसी विशेष वस्तु या स्थान को नहीं, बल्कि उनकी एक श्रेणी को दर्शाती हैं, इसलिए अंग्रेजी व्याकरण के नियमों के अनुसार इन्हें छोटे अक्षरों में लिखा जाता है। इसलिए, 'door', 'window', 'table' आदि को छोटे अक्षरों में लिखा गया है, जबकि किसी विशेष नाम जैसे 'Amit' को बड़े अक्षरों से शुरू किया जाता है।